



UNIVERSITY NEWS 13 OCTOBER 2026

I NEXT

TIMES OF INDIA

AMRIT VICHAR

AMRIT VICHAR

हिंदी का 'इंटरनेशनल जलवा' फॉरेन स्टूडेंट्स को LU पसंद

जर्मनी, ताजिकिस्तान, दक्षिण कोरिया के स्टूडेंट्स में भी हिंदी भाषा का क्रेज

LUCKNOW (12 Oct, inext): भारतीय संस्कृति, साहित्य और भाषाओं को जानने की चाह विदेशी स्टूडेंट्स को आकर्षित कर रही है. एल्यू में जर्मनी, ताजिकिस्तान, दक्षिण कोरिया, पोलेड और श्रीलंका जैसे देशों के स्टूडेंट्स हिंदी, संस्कृत और अन्य भाषाओं का अध्ययन कर रहे हैं. इन स्टूडेंट्स के लिए भारतीय भाषाएं भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समझने का जरिया हैं.

लगभग बढ़ता जा रहा क्रेज

विदेशी स्टूडेंट्स की हिंदी और संस्कृत में इंटरैक्ट इस बात का संकेत है कि भारतीय भाषाओं की पहचान देश की सीमाओं से कहीं आगे बढ़ी है. हिंदी के माध्यम से स्टूडेंट भारतीय साहित्य, समाज और दैनिक जीवन को करीब से समझने का प्रयास कर रहे हैं. वहीं संस्कृत उन्हें प्राचीन भारतीय ग्रंथों, दर्शन और ज्ञान परंपरा से जुड़ने का अवसर देती है. इसके साथ ही भारतीय भाषाओं का ज्ञान उन्हें यहां की परंपराओं, ऐतिहासिक विरासत और सामाजिक मूल्यों को समझने में मदद करता है.

संस्कृति को समझने की कोशिश

एल्यू में पढ़ाई कर रहे विदेशी स्टूडेंट्स के लिए भारतीय भाषाओं का अनुभव कक्षा तक सीमित नहीं रहता. किसी भी भाषा को सीखने के दौरान यहां के समाज, रीति-रिवाज, साहित्य और लोगों की जीवनशैली को जानने का अवसर मिलता है. लखनऊ की तटस्थ, सहिष्णु परंपरा और हिंदी-उर्दू की साझा सांस्कृतिक विरासत भी विदेशी विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रही है.



हिंदी

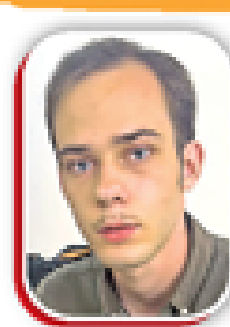
हिंदी सीखने से मुझे भारत के लोगों, उनकी संस्कृति और साहित्य को करीब से समझने का मौका मिला है. लखनऊ का सांस्कृतिक माहौल आकर्षित करता है. यहां भारतीय परंपराओं को जानना भी एक अलग अनुभव है.



हिंदी सीखने से भारतीय लोगों के साथ संपर्क करना और उनके शिरो को समझना आसान होता है. भारत में रहकर भाषा सीखना थोड़ा बेहतर है क्योंकि तुमने न अलग अनुभव देता है. यह कभी अच्छे लगेबज है.

जु, दक्षिण कोरिया

क्या बोले मेहनत...



हिंदी फिल्मों से मुझे हिंदी सीखने की प्रेरणा मिली. मैं इस भाषा के साहित्य और ऐतिहासिक महत्व को जानना चाहता हूँ. एल्यू में पढ़ाई करते मुझे भारतीय भाषाओं और संस्कृति को समझने का अवसर मिल रहा है.



हिंदी भी देश की भाषा सीखना उल्टी संस्कृति और समाज को समझने का सबसे अच्छा तरीका है. हिंदी भाषा के माध्यम से मैं भारतीय साहित्य, जीवनशैली और परंपराओं को करीब से जानना चाहता हूँ.

ईशो, पोलेड

हिंदी



विदेशी स्टूडेंट्स का भारतीय भाषाओं के प्रति बढ़ता रुझान हमारे लिए महत्वपूर्ण है. एल्यू के माध्यम से उन्हें भारत की भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक विरासत को समझने का अवसर मिल रहा है. इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलता है.

प्रो. आर.पी. सिंह, खयरेबर इंटरनेशनल स्टूडेंट्स

Jyotirvigyan dept of LU turns 25

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University's Department of Jyotirvigyan completed 25 years on Monday and marked the milestone with a national seminar highlighting the 'Originality and Scientific Elements of Jyotirvigyan' at Varahamihira Auditorium.

Scholars, teachers and researchers took part in the one-day event, discussing multiple dimensions of traditional Indian astrological knowledge and its contemporary applications.

Vice-chancellor Prof J P Saini said ancient Indian scholars had developed advanced methods of time calculation that remain noteworthy, and stressed the need to motivate young researchers to study traditional knowledge systems for public welfare. He said modern technological tools have made calculations easier and urged that students with interest in the field be supported so their research could contribute to society and national development.

Saini said the department was established following a govt order during the tenure of then Union human resource development minister Murlī Manohar Joshi, along with a recommendation from University Grants Commission. The department was inaugurated by then Uttar Pradesh Governor Vishnu Kant Shastri.

Started as a self-financed



MILESTONE

Areas of study

What makes the department distinctive is the range of subjects it covers. Its areas of study include Siddhant Jyotish, which deals with traditional Indian astronomy and astronomical calculations; Samhita Jyotish, which includes traditional interpretations of terrestrial and natural events; and Hora Jyotish, which focuses on horoscopes and individual charts. Vastu Shastra is another area of study.

programme in 2001 with 20 undergraduate and 15 postgraduate seats, the department introduced a PhD programme in 2003. It currently offers 30 undergraduate and 45 postgraduate seats and expanded its portfolio with an MA in Vastu Shastra in 2026. The department has drawn learners from varied professional backgrounds, including doctors, engineers, writers, lawyers, scientists and administrative officials. About 150 students and research scholars presented papers on theoretical and practical aspects of Jyotish Shastra.

लविवि में एथलेटिक्स का चयन ट्रायल स्थगित

लखनऊ, अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी एथलेटिक्स पुरुष व महिला टूर्नामेंट के लिए 15 और 16 अक्टूबर को होने वाला चयन ट्रायल को स्थगित कर दिया गया है। विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य ने बताया कि 12 से 16 अक्टूबर तक 'एल्यू कप इंटर-कॉलेजिएट टी-20 टूर्नामेंट' होना है। परंजोपे फेलोशिप ग्रांड पर एथलेटिक्स चयन ट्रायल को आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। नई तिथि और समय की घोषणा जल्द होगी।

- लखनऊ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सम्मेलन नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मल्टीफंक्शनल मेटेरियल्स फॉर एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट का आयोजन - 11:00 बजे से।



कुलपति को सम्मानित करते प्रो. श्यामलेश तिवारी।

रजत जयंती समारोह मनाया

लखनऊ, अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में डॉक्टर, इंजीनियर और वैज्ञानिक भी ज्योतिष की पढ़ाई कर रहे हैं। दाईं दाक पूर्व गुरु द्वा विभाग ने रजत जयंती समारोह मनाया। इसमें 150 विद्यार्थियों ने शोध पत्र पढ़े। विभाग के वरिष्ठ शिक्षक समारोह में ज्योतिषज्ञ की भूमिका और वैज्ञानिकत्व विषय पर संक्षेप का भी अवलोकन किया गया। संक्षेप में डॉ. श्यामलेश कुमार तिवारी ने विभाग की 25 वर्ष की ऐतिहासिक यात्रा पर प्रकाश डाला। स्वागता के समय स्नातक में 20 और परस्नातक में 15 सीटें थीं। शिक्षक डॉ. विष्णुकांत गुप्त, डॉ. प्रवीण कुमार बजोरिया, डॉ. अनुज कुमार शुक्ल सहित लगभग 150 विद्यार्थी एवं शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

AMRIT VICHAR

हरित नैनो टेक्नोलॉजी के आयामों पर डाला प्रकाश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

● ऊर्जा, पर्यावरण व सतत विकास पर दो दिवसीय सम्मेलन शुरू

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मल्टीफंक्शनल मेटेरियल्स फॉर एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट का उद्घाटन हुआ। राष्ट्रीय संगोष्ठी में ऊर्जा, पर्यावरण और सतत विकास के क्षेत्र में उपरती तकनीकों और नवाचारों पर विमर्श के लिए देशभर के हस्तिलब्ध वैज्ञानिक, विषय-विशेषज्ञ और शोधार्थी

एकत्र हुए हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी, विशिष्ट अतिथि डॉआरडीओ के पूर्व निदेशक प्रो. भुवनेश कुमार द्वारा संपन्न हुआ। भौतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. ओंकार प्रसाद और प्रो. अंचल श्रीवास्तव

ने सम्मेलन की रूपरेखा और इसके वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एक विशेष 'प्रोसीडिंग्स' का औपचारिक विमोचन किया गया। साथ ही, 'इंडियन एसोसिएशन ऑफ सांलिड-स्टेट केमिस्ट्रि एंड अलाइड साइंटिस्ट्स' के अध्यक्ष प्रो. एनबी सिंह द्वारा प्रतिष्ठित पदकों की घोषणा की गई। गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एनएस गज्जिभेरे द्वारा इलेक्ट्रॉनिक चिप, सुपर कैपेसिटर्स और लिथियम-आयन बैटरी के विकास

यात्रा व भविष्य की दिशा को समझाया गया। प्रो. एनबी सिंह ने 'हरित नैनो टेक्नोलॉजी' के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. सरोज शुक्ला ने 'प्लास्टिक वेस्ट समस्या समाधान' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। कई शोधार्थियों ने हाइड्रिड मोड में प्रस्तुति दी जिसमें ताइवान से पोस्ट डॉक्टोरल शोधार्थी डॉ. स्तुति श्रीवास्तव ने नोओ थिन फिल्म हाइड्रोजन सल्फाइड सेंसर पर अपने शोध की ऑनलाइन प्रस्तुति दी।

SWATANTRA BHARAT

ज्योतिर्विज्ञान विभाग के रजत जयंती वर्ष पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

स्वतंत्र भारत संवाददातालखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के ज्योतिर्विज्ञान विभाग के रजत जयंती वर्ष के उद्घाटन में योगेश्वर को वरिष्ठविश्वविद्यालय में 'ज्योतिर्विज्ञान की भूमिका और वैज्ञानिकत्व' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें विद्वानों, शिक्षकों और शोधार्थियों ने ज्योतिर्विज्ञान के विभिन्न सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पहलुओं पर विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि प्राचीन भारतीय आचार्यों की कला गवना अत्यंत उन्नत थी। भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी इस विधा का उपयोग मानवता और जनकल्याण के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने युवा शोधार्थियों को निरंतर शोध करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विभाग की समस्त कार्यकर्ता डॉ. श्यामलेश कुमार तिवारी ने बताया कि विभाग की स्थापना 18 अक्टूबर 2001 को हुई थी। शुरुआत में छात्रों की 20 और परस्नातकों की 15 सीटें थीं। वर्ष 2003 में पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू हुआ। वर्तमान में छात्रों में 30 और परस्नातकों में 45 सीटें हैं। वर्ष 2026 से एमए वास्तुशास्त्र का पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किया गया है। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. शिव प्रसाद मिश्र ने विभाग की प्रगति की सराहना की। कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद मोहन ने संस्थाओं के विचारों पर जोर दिया। संगोष्ठी में लगभग 150 विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। संचालन डॉ. अनिल कुमार चोपड़ा ने किया।

NBT

SWATANTRA BHARAT

HINDUSTAN TIMES

NBT

भारी पड़े LU कैपस के खिलाड़ी

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में पहली बार एल्यू के सभी जिलों के कॉलेज व विवि के बीच T-20 क्रिकेट लीग शुरू हुई है। प्रतियोगिता में पांच जिलों के कॉलेजों की एक-एक टीम, जबकि तीन टीमों एल्यू कैपस से बनाई गई हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन सोमवार को चार मुकाबले हुए, जिसमें जिलों की टीमों पर एल्यू की टीम भारी पड़ी। एल्यू वीसी प्रो. जेपी सैनी ने टूर्नामेंट का उद्घाटन किया।

शोध को समाज की जरूरतों से जोड़ने पर जोर : कुलपति

स्वतंत्र भारत संवाददातालखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से ऊर्जा, पर्यावरण और सतत विकास पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का सोमवार को वीपी प्रधान सभागार में शुभारंभ हुआ। सम्मेलन में देशभर के वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और शोधार्थियों ने उन्नत पदार्थों तथा नई तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग पर चर्चा की। 'नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मल्टीफंक्शनल मेटेरियल्स फॉर एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट' (एनएमएसएमएडीएसडी-2026) का उद्घाटन ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी और शास्त्रा विश्वविद्यालय के डीन आरुंधती एवं डॉआरडीओ के पूर्व निदेशक प्रो. भुवनेश कुमार ने किया। इस दौरान सम्मेलन पुस्तिका का विमोचन करते हुए उन्होंने कहा कि शोध को प्रयोगशालाओं और आकाशमिक पवित्राओं तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उसे समाज की वास्तविक जरूरतों और जनकल्याण से जोड़ना आवश्यक है। इसके लिए मिशन मोड में काम करना होगा। अजय तनेजा ने श्रेष्ठन को बहुआयामी क्षमताओं और उपयोगों पर प्रकाश डाला। प्रो. भुवनेश कुमार ने शोध परिवर्तनताओं में तकनीकों तैयारी के विभिन्न स्तरों को जानकारी दी और वर्ष 2040 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में वैज्ञानिकों की भूमिका रेखांकित की।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने चलाया स्वच्छता अभियान

स्वतंत्र भारत संवाददातालखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में सोमवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने विधि संकाय भवन, उद्यान, पार्किंग स्थल और मुख्य संसर्ग मार्गों की सफाई कर परिसर को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। इस दौरान विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. आर्के वर्मा के मार्गदर्शन और एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर राय की देखरेख में आयोजित अभियान के दौरान छात्र-छात्राओं ने अलग-अलग टोलियां बनाकर श्रमदान किया। उन्होंने परिसर में सड़कों पर बिखरे प्लास्टिक कचरे, खाद्य पदार्थों के पैपर, पॉलीथीन और अन्य अपशिष्ट को एकत्र किया। साथ ही उद्यान से खरपतवार हटाकर पेड़ों की क्यारियों को व्यवस्थित किया। स्वयंसेवकों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों से एकल उपयोग वाले प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करने की अपील की। उन्होंने दैनिक जीवन में कपड़े के थैलों को अपनाने और डिस्पोजेबल वस्तुओं से बचने का संदेश दिया।

LU Cup T20 tournament kicks off

LUCKNOW: The LU Cup Inter-Collegiate T20 Cricket Tournament 2026 began at Lucknow University's Paranjape Pavilion and RSG LDA Aliganj Cricket Academy on Monday. Vice-chancellor Prof JP Saini inaugurated the tournament, saying sports promote discipline, leadership, confidence and teamwork among students.

HTC

इंडस्ट्री को ज्योतिष सेवाएं देगा लखनऊ विश्वविद्यालय

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (LU) अब कॉर्पोरेट दफ्तरों और इंडस्ट्री को भी ज्योतिषीय कंसल्टेंसी मुहैया कराएगा। विवि में पहले से जरी इस सेवा का दायरा अब बढ़ा दिया गया है। पहले लोग सिर्फ कैपस आकर इन-पर्सन सलाह ले सकते थे, लेकिन अब इंडस्ट्री, ऑफिस, रोजगार और बिजनेस से जुड़ी दिक्कतों पर विशेषज्ञ सीधे कॉर्पोरेटों में जाकर मार्गदर्शन करेंगे। इसके लिए संस्थानों को ऑनलाइन बुकिंग करनी होगी। इससे कॉरपोरेट्स को सही सलाह मिलेगी और विवि का भी



विकास होगा।

सोमवार को ज्योतिर्विज्ञान विभाग के 25वें स्थापना दिवस पर समन्वयक डॉ. श्यामलेश तिवारी ने यह जानकारी दी। रजत जयंती समारोह व संगोष्ठी में कुलपति

प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि प्राचीन भारतीय काल-गणना पद्धतियों बेहद उन्नत थीं। इसका उपयोग मानवता व जनकल्याण में होना चाहिए। युवा शोधार्थी इस विधा में गहन अध्ययन-अनुसंधान कर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। इसी सोच के साथ इस विधा को आमजन तक पहुंचाया जा रहा है। वहीं, संपूर्णानंद संस्कृत विवि के पूर्व वीसी प्रो. बिंदा प्रसाद मिश्र ने कहा कि सीमित संसाधनों से शुरू हुए इस विभाग में आज डॉक्टर और इंजीनियर तक दाखिला

ले रहे हैं। शुरू हो गया वास्तुशास्त्र पाठ्यक्रम डॉ. श्यामलेश कुमार तिवारी ने बताया कि विभाग की स्थापना 18 अक्टूबर 2001 को हुई थी। तब महज यूजी पीजी कोर्स था आज पीएचडी भी चल रही है वहीं सीटों की संख्या भी दोगुनी हो गई है। इस साल से हमने वास्तुशास्त्र में भी पीजी कोर्स शुरू किया गया है जिसमें दाखिले हो गए हैं। पहले बैच की पढ़ाई भी शुरू हो गई है। जल्द ही विभाग में अन्य कोर्स भी शुरू किये जाएंगे।



UNIVERSITY NEWS 13 OCTOBER 2026

I NEXT

रजत जयंती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

ज्योतिर्विज्ञान विभाग की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को 'ज्योतिर्विज्ञान की मौलिकता और वैज्ञानिक तत्त्व' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. बिंदा प्रसाद मिश्र ने विभाग की स्थापना से जुड़े संस्मरण साझा किए। वीसी प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि भारतीय आचार्यों की गणना पद्धति बेहद उन्नत रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से इस क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने और समाज के हित में ज्ञान का उपयोग करने की अपील की।

VOICE OF LUCKNOW

लविवि : टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रांजपे पवेलियन ग्राउंड में सोमवार को एल्यू कप इंटर-कॉलेजिएट टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में खेल भावना, अनुशासन, टीमवर्क एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस टूर्नामेंट का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों एवं खेलप्रेमियों के बीच विशेष उत्साह देखने को मिला। यह टूर्नामेंट विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को अपनी क्रिकेट प्रतिभा प्रदर्शित करने, खेल कौशल को निखारने तथा आपसी समन्वय और खेल भावना विकसित करने का अवसर प्रदान करेगा।

HINDUSTAN

कुलपति बोले, भारतीय काल-गणना थी सटीक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के ज्योतिर्विज्ञान विभाग के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर सोमवार को 'ज्योतिर्विज्ञान की मौलिकता और वैज्ञानिकतत्त्व' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। वराहमिहिर सभागार में हुए इस कार्यक्रम में विद्वानों, शिक्षकों और शोधार्थियों ने ज्योतिर्विज्ञान की सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे। कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि प्राचीन भारतीय आचार्यों की काल-गणना बेहद सटीक थी।

AMAR UJALA

गंगा, अरावली, चीता, एवरेस्ट विजयी

लखनऊ। एल्यू कप इंटर कॉलेजिएट टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले दिन एल्यू गंगा, एल्यू अरावली, एल्यू चीता लखनऊ और एल्यू एवरेस्ट ने अपने-अपने मैच जीतकर पूरे अंक बटोरे। एल्यू अरावली ने एल्यू लेपर्ड रायबरेली को नौ विकेट से पराजित किया। मोहम्मद खान ने चार विकेट लिए और आदि आदेश शुक्ला ने नाबाद 32 रन बनाए। एल्यू चीता लखनऊ ने एल्यू टाइगर हरदोई को 100 रनों के विशाल अंतर से हराया। आयुष शर्मा ने 47 रन बनाए, वहीं सूर्य प्रताप सिंह ने चार विकेट चटकाए। एल्यू गंगा ने एल्यू लॉयंस सीतापुर को 130 रनों से शिकस्त दी। आदित्य सिंह ने 84 रनों की विस्फोटक पारी खेली और शाश्वत ने चार विकेट लिए। एल्यू एवरेस्ट ने एल्यू पैथर लखीमपुर को 104 रनों से करारी शिकस्त दी। नैतिक ने 53 रन बनाए, जबकि अमृत सिंह और श्याम मिश्रा ने तीन-तीन विकेट चटकाए। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि फुटबॉल टीम ट्रायल 17 को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक एसोसिएशन पुरुष और महिला फुटबॉल टीमों के चयन के लिए 17 अक्टूबर को ट्रायल आयोजित करेगा। फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष पुनीत मिश्रा ने बताया कि चयन परीक्षण सुबह 10 बजे आईआईएम रोड स्थित अमरावती स्पोर्ट्स सिटी में होगा। इच्छुक प्रतिभागियों को 16 अक्टूबर को शाम पांच बजे तक पंजीकरण लविवि क्रीड़ा परिषद कार्यालय (पवेलियन ग्राउंड) में होगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN

एल्यू ने मौखिक परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी किया

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएससी पांचवें सेमेस्टर (एनईपी) के लिए केमिस्ट्री, जूलांजी और जेनेटिक्स एंड जीनोमिक्स की माइनर प्रोजेक्ट रिपोर्ट और मौखिक परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है।

रसायन विज्ञान विभाग में केमिस्ट्री प्रैक्टिकल-5 की परीक्षा 31 अक्टूबर 2026 को सुबह 11 बजे से होगी। जूलांजी की परीक्षा 3 और 4 दिसंबर को तथा जेनेटिक्स एंड जीनोमिक्स की परीक्षा 5 दिसंबर 2026 को सुबह 10:30 बजे से आयोजित की जाएगी। वहीं, जंतु विज्ञान विभाग ने बताया है कि 3 दिसंबर को जूलांजी के जेडसी और जेडए सेक्शन तथा 4 दिसंबर को जेडबी और जेडजी सेक्शन के विद्यार्थियों की परीक्षा होगी। वहीं, 5 दिसंबर को जेनेटिक्स एंड जीनोमिक्स के बैच-1 के सभी सेक्शन के विद्यार्थी माइनर प्रोजेक्ट रिपोर्ट और मौखिक परीक्षा में शामिल होंगे।

इसी बीच, वनस्पति विज्ञान विभाग ने भी स्नातक प्रैक्टिकल परीक्षाओं 2026-27 का कार्यक्रम जारी किया है। 12 अक्टूबर को जारी नोटिस के अनुसार, बीएससी तृतीय सेमेस्टर के प्रैक्टिकल 22 और 23 अक्टूबर 2026 को होंगे, जबकि बीएससी प्रथम सेमेस्टर के प्रैक्टिकल 2 और 3 नवंबर 2026 को आयोजित किए जाएंगे। दोनों परीक्षाएं वनस्पति विज्ञान विभाग, में होंगी।

इस बारे में नोटिस विभागाध्यक्ष प्रो

ऊर्जा, पर्यावरण, सतत विकास पर सम्मेलन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ऊर्जा, पर्यावरण और सतत विकास पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन सोमवार को शुरू हो गया। सम्मेलन का मकसद उन्नत पदार्थ और आधुनिक तकनीकों के जरिए ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और सतत विकास को बढ़ावा देना तथा शोध को समाज की जरूरतों से जोड़ना है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी, मुख्य अतिथि प्रो. अजय तनेजा और विशिष्ट अतिथि प्रो. भुवनेश कुमार ने शुभारंभ किया।

स्वयंसेवकों ने चलाया स्वच्छता अभियान

लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वृहद स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. आर. के. वर्मा के मार्गदर्शन तथा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर राय की देखरेख में अभियान चला। स्वच्छता पर जोर दिया गया।

गौरी सक्सेना की ओर से जारी किया गया है। जरूरी जानकारी के लिए एल्यू की वेबसाइट देख सकते हैं।

एल्यू गंगा और चीता ने दर्ज की जीत

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने, विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना विकसित करने के उद्देश्य से सोमवार को एल्यू कप अंतर-महाविद्यालयीय टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 का शुभारंभ हुआ। प्रांजपे पवेलियन ग्राउंड में कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने प्रतिभागिता का उद्घाटन किया। पहले दिन विभिन्न टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। उद्घाटन समारोह में कुलपति प्रो. सैनी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए

कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है।

उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन का आह्वान किया। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में एल्यू गंगा ने एल्यू लखन सीतापुर को 130 रन से हराया। वहीं एल्यू एवरेस्ट ने एल्यू पैथर लखीमपुर को हराया।

समाज के हित में हो शोध का इस्तेमाल : कुलपति

लखनऊ। लविवि के भौतिक विज्ञान विभाग में सोमवार को ऊर्जा, पर्यावरण और सतत विकास पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मल्टीफंक्शनल मैटेरियल्स फॉर एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट में देशभर के वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और शोधार्थियों ने चर्चा की।

कुलपति जेपी सैनी ने कहा कि शोध को जनकल्याण से जोड़ना जरूरी है। मुख्य अतिथि ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि के कुलपति अजय तनेजा ने ग्रेफीन की क्षमताओं की जानकारी दी। डीआरडीओ के पूर्व निदेशक भुवनेश कुमार ने शोध परियोजनाओं के वित्तपोषण में तकनीकी तैयारी स्तर (टीआरएल) के महत्व को समझाया।

सागर एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एनएस गजभिये ने इलेक्ट्रॉनिक चिप और लिथियम-आयन बैटरी के विकास पर विचार रखे। इंडियन एसोसिएशन ऑफ सॉलिड-स्टेट केमिस्ट्स एंड अलाइड साइंटिस्ट्स के अध्यक्ष एनबी सिंह ने हरित नैनो टेक्नोलॉजी की जानकारी दी। दिल्ली विवि की सरोज शुक्ला ने प्लास्टिक कचरे की समस्या के समाधान पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। ताइवान से पोस्टडॉक्टोरल शोधार्थी स्तुति श्रीवास्तव ने निकेल ऑक्साइड पतली फिल्म आधारित हाइड्रोजन सल्फाइड सेंसर पर ऑनलाइन प्रस्तुति दी। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA

भारतीय आचार्यों की सटीक थी काल गणना : प्रो. सैनी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के ज्योतिर्विज्ञान विभाग की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर सोमवार को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वराहमिहिर सभागार में 'ज्योतिर्विज्ञान की मौलिकता और वैज्ञानिकतत्त्व' विषय पर विद्वानों और शोधार्थियों ने विचार रखे। इस दौरान विभाग की 25 वर्षों की यात्रा के साथ ज्योतिर्विज्ञान और वास्तुशास्त्र के अध्ययन व शोध पर चर्चा हुई।

कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि प्राचीन भारतीय आचार्यों की काल गणना अत्यंत सटीक थी। भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़े इस शास्त्र का इस्तेमाल मानवता और जनकल्याण के लिए किया जाना चाहिए। समन्वयक डॉ. श्यामलेश कुमार तिवारी ने बताया कि ज्योतिर्विज्ञान विभाग की स्थापना 18 अक्टूबर 2001 को हुई थी। शुरुआत में स्नातक की 20 और परास्नातक की 15 सीटें थीं। वर्ष 2003 में पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू हुआ। अभी स्नातक में 30 और परास्नातक में 45 सीटें हैं। वर्ष 2026 से एमए वास्तुशास्त्र का नया पाठ्यक्रम भी शुरू किया गया है। विशिष्ट अतिथि संपूर्णानंद संस्कृत विवि वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रो. बिंदा प्रसाद मिश्र, कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद मोहन और डॉ. अनिल कुमार पोरवाल मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA

समाज के हित में हो शोध का इस्तेमाल : कुलपति

लखनऊ। लविवि के भौतिक विज्ञान विभाग में सोमवार को ऊर्जा, पर्यावरण और सतत विकास पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मल्टीफंक्शनल मैटेरियल्स फॉर एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट में देशभर के वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और शोधार्थियों ने चर्चा की।

कुलपति जेपी सैनी ने कहा कि शोध को जनकल्याण से जोड़ना जरूरी है। मुख्य अतिथि ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि के कुलपति अजय तनेजा ने ग्रेफीन की क्षमताओं की जानकारी दी। डीआरडीओ के पूर्व निदेशक भुवनेश कुमार ने शोध परियोजनाओं के वित्तपोषण में तकनीकी तैयारी स्तर (टीआरएल) के महत्व को समझाया।

सागर एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एनएस गजभिये ने इलेक्ट्रॉनिक चिप और लिथियम-आयन बैटरी के विकास पर विचार रखे। इंडियन एसोसिएशन ऑफ सॉलिड-स्टेट केमिस्ट्स एंड अलाइड साइंटिस्ट्स के अध्यक्ष एनबी सिंह ने हरित नैनो टेक्नोलॉजी की जानकारी दी। दिल्ली विवि की सरोज शुक्ला ने प्लास्टिक कचरे की समस्या के समाधान पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। ताइवान से पोस्टडॉक्टोरल शोधार्थी स्तुति श्रीवास्तव ने निकेल ऑक्साइड पतली फिल्म आधारित हाइड्रोजन सल्फाइड सेंसर पर ऑनलाइन प्रस्तुति दी। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि में आईसीटी पर दो

सप्ताह का रीफ्रेशर कोर्स संपन्न लखनऊ। लविवि के मालवीय मिशन टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर की ओर से आयोजित दो साप्ताहिक ऑनलाइन इंटरडिसिप्लिनरी रीफ्रेशर कोर्स इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी इन एजुकेशन (आईसीटी) संपन्न हो गया। इसमें 19 राज्यों से 81 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

राजेंद्र विवि बलांगीर (ओडिशा) के कुलपति प्रो. बीबी मलिक मुख्य अतिथि रहे और अध्यक्षता लविवि के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने की। दोनों ने शिक्षकों को तकनीकी रूप से सक्षम और दक्ष बनने का आह्वान किया। उन्होंने डिजिटल शिक्षण, नवाचार तथा शिक्षा में आईसीटी के बढ़ते इस्तेमाल पर जोर दिया।

समापन सत्र में छत्रपति शाहू जी महाराज विवि और दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विवि के पूर्व कुलपति प्रो. अशोक कुमार ने कहा कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का सही व संतुलित इस्तेमाल छात्रों के सीखने के स्तर को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकता है। मालवीय मिशन टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर के निदेशक प्रो. दिनेश कुमार और शिक्षा संकाय के समन्वयक प्रो. मुनेश कुमार ने सफल आयोजन में प्रमुख भूमिका निभाई। (माई सिटी रिपोर्टर)

DAINIK JAGRAN

टी-20 टूर्नामेंट में एल्यू अरावली गंगा, एवरेस्ट और चीता की जीत

लखनऊ : मैदान पर बल्ले से बरसते रन, जीत के लिए ज़ुझती टीमें और हर ओवर के साथ बढ़ता रोमांच। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रांजपे पवेलियन में सोमवार को एल्यू कप अंतर-महाविद्यालयीय टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 की शुरुआत हुई। पहले दिन खेले गए मुकाबलों में एल्यू गंगा, एल्यू एवरेस्ट, एल्यू अरावली और एल्यू चीता ने जीत दर्ज की।

टूर्नामेंट का उद्घाटन कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने किया। पहले मुकाबले में एल्यू गंगा ने एल्यू लॉयंस सीतापुर को 130 रन से हराया। टीम के कप्तान आदित्य प्रताप सिंह ने 84 रन की शानदार पारी खेलकर जीत में अहम योगदान दिया। दूसरे मुकाबले में एल्यू एवरेस्ट ने एल्यू पैथर लखीमपुर को 104 रन से शिकस्त दी। वहीं, पूल खी के मुकाबले आरएसजी एलडीए अलीगंज क्रिकेट अकादमी में खेले गए। यहां एल्यू अरावली ने एल्यू रायबरेली के खिलाफ आसान जीत



एल्यू कप इंटर कॉलेजिएट टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. जेपी सैनी, साथ में अन्य • जागरण

दर्ज की, जबकि एल्यू चीता ने एल्यू टाइगर हरदोई को 100 रन से हराया। क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य ने बताया कि टूर्नामेंट का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देने के साथ विश्वविद्यालय में खेल संस्कृति को मजबूत करना है। वि.